नोट: यह माइंड मैप केवल Quick Revision के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस विषय के सभी कॉन्सेप्ट्स को विस्तार से समझने और संपूर्ण नोट्स पढ़ने के लिए कृपया gkgsnotes.com पर विजिट करें।

🗺️सिंधु नदी तंत्र (Sindhu Nadi Tantra)

gkgsnotes.com

1. सामान्य परिचय और सिंधु नदी के मुख्य तथ्य

- जल ग्रहण क्षेत्र: कुल 11.65 लाख वर्ग किमी (भारत में 2.21 लाख वर्ग किमी)।
- विस्तार: तिब्बत (चीन), भारत (लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, पंजाब), पाकिस्तान, अफगानिस्तान।
- उद्गम (Origin): बोखर-चू हिमनद (कैलाश पर्वत श्रृंखला, तिब्बत)।
  - तिब्बती नाम: 'सिंघी खंबन' या 'शेर का मुंह'।
- प्रकृति: पूर्ववर्ती नदी (हिमालय से पुरानी) और वर्ष वाहिनी।
- लंबाई: कुल 2880 किमी (भारत में 1114 किमी)।
- भारत में प्रवाह:
  - प्रवेश बिंदु: दमचौक।
  - निकास बिंदु: चिल्लास।
  - पर्वत श्रेणियां: लद्दाख और जास्कर श्रेणियों के मध्य प्रवाहित।
- गार्ज (महाखड्ड): बुंजी गॉर्ज (5200 मीटर गहरा) - भारत का सबसे गहरा गार्ज।
- मुहाना: अरब सागर (कराची के निकट डेल्टा निर्माण)।
- प्रमुख परियोजना: निम्मो बाजगो जल विद्युत परियोजना (अलची के पास)।

2. बायीं ओर की सहायक नदियां (पंचनद)

- झेलम (Vitasta):
  - उद्गम: बेरीनाग झील (पीर पंजाल श्रेणी, कश्मीर)।
  - संगम: झंग के पास चेनाब नदी में।
  - परियोजनाएं: तुलबुल, उरी, किशनगंगा।
  - विशेष तथ्य: श्रीनगर तट पर स्थित; वुलर झील से होकर बहती है।
- चेनाब (Askini):
  - उद्गम: बाड़ालाचा दर्रा (लाहुल-स्पीति, हिमाचल)।
  - संगम: मिथनकोट (सिंधु नदी में)।
  - परियोजनाएं: सलाल, बगलिहार, दुलहस्ती, रतले।
  - विशेष तथ्य: सिंधु की सबसे बड़ी सहायक नदी; चंद्र और भागा के संगम से (तांडी में) बनती है।
- रावी (Purushni):
  - उद्गम: रोहतांग दर्रा (कुल्लू पहाड़ियाँ, हिमाचल)।
  - संगम: सराय सिंधु के पास चेनाब में।
  - परियोजनाएं: थीन बांध (रंजीत सागर बांध)।
  - विशेष तथ्य: चंबा घाटी में प्रवाहित; पीर पंजाल और धौलाधार के मध्य।
- व्यास (Vipasa):
  - उद्गम: व्यास कुंड (रोहतांग दर्रा, हिमाचल)।
  - संगम: हरिके (सतलज नदी में)।
  - परियोजनाएं: पोंग बांध, हरिके बैराज।
  - विशेष तथ्य: पूर्णतः भारत में बहने वाली नदी; सिंधु डॉल्फिन पाई जाती हैं।
- सतलज (Shatudri):
  - उद्गम: राकस ताल/राक्षस ताल (तिब्बत)।
  - संगम: चेनाब नदी में।
  - परियोजनाएं: भाखड़ा नांगल, नाथपा झाकरी, कोल डैम, सरहिंद।
  - विशेष तथ्य: शिपकीला दर्रे से भारत में प्रवेश; भाखड़ा विश्व का सबसे ऊंचा गुरुत्वीय बांध है।

3. दायीं ओर की सहायक नदियां

- श्योक (Shyok):
  - उद्गम: रेमो ग्लेशियर (सियाचिन की जीभ)।
  - सहायक नदियां: नुब्रा और गलवान।
- काबुल (Kabul):
  - उद्गम: संगलाख़ श्रृंखला (हिंदुकुश, अफगानिस्तान)।
  - संगम: अटक (पाकिस्तान) के पास सिंधु में।
  - विशेष तथ्य: काबुल शहर इसी के तट पर है; सहायक नदियां स्वात और कुनार हैं।
- गिलगित (Gilgit):
  - उद्गम: संदूर झील (POK)।
  - विशेष तथ्य: इसे ग़िज़र नदी भी कहते हैं; गिलगित शहर इसी के किनारे है।
- गोमल (Gomal):
  - उद्गम: कोहनाक पर्वत (अफगानिस्तान)।
  - संगम: सिंधु नदी में।

4. पंचनद का विशेष विवरण

- परिभाषा: पंजाब में बहने वाली 5 मुख्य नदियों का समूह (झेलम, चेनाब, रावी, व्यास, सतलज)।
- महत्व:
  - यह समूह पाकिस्तान के मिथनकोट में सिंधु नदी से मिलता है।
  - चेनाब को पंचनद की सबसे प्रमुख नदी माना जाता है क्योंकि अन्य नदियाँ अंततः इसी में मिलती हैं।

5. सिंधु जल समझौता (Indus Water Treaty - 1960)

- तिथि: 19 सितंबर 1960 (रावलपिंडी, पाकिस्तान)।
- मध्यस्थ: विश्व बैंक (W.A.B. Iliff)।
- हस्ताक्षरकर्ता:
  - भारत: पंडित जवाहरलाल नेहरू।
  - पाकिस्तान: राष्ट्रपति अयूब खान।
- नदियों का बंटवारा:
  - भारत का पूर्ण अधिकार (पूर्वी नदियां): रावी, व्यास, सतलज।
  - पाकिस्तान का अधिकार (पश्चिमी नदियां): सिंधु, झेलम, चेनाब।

copyright © gkgsnotes.com| All Right Reserved